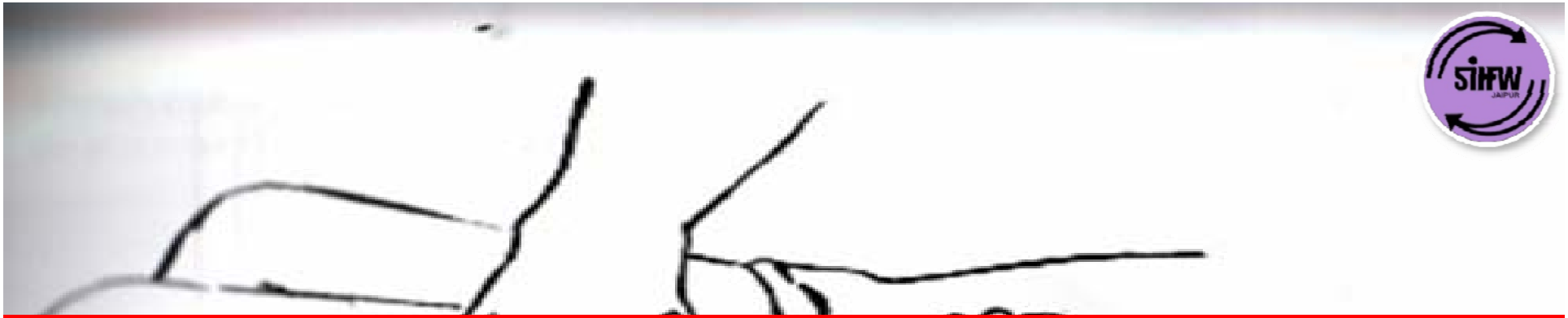

प्रसव के तृतीय चरण का सक्रिय प्रबंधन

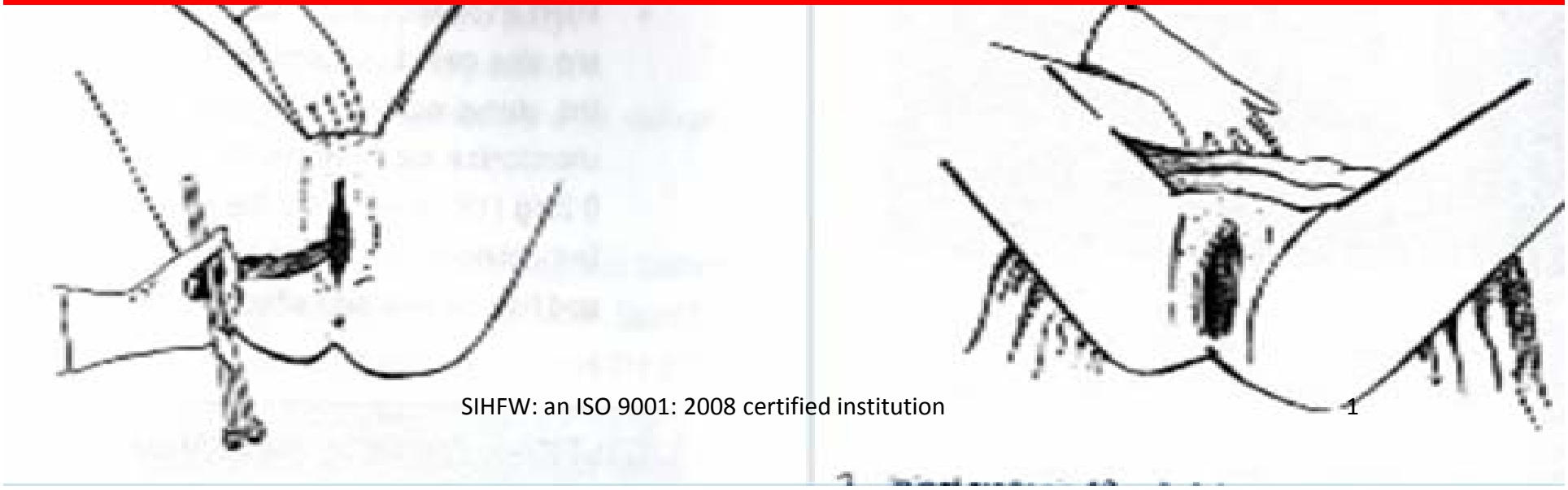

उद्देश्य

- सामान्य प्रसव के तृतीय चरण के सक्रिय प्रबंधन के बारे में जानना।
- प्रसव पश्चात् रक्तस्त्राव की रोकथाम के बारे में जानना।

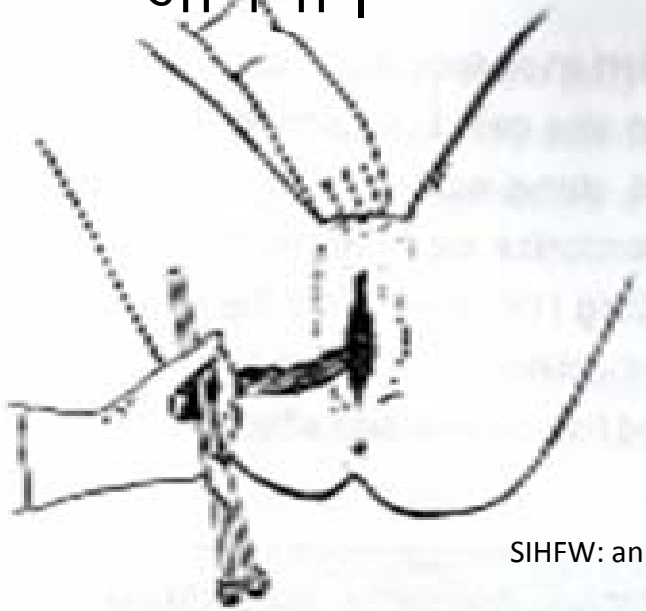

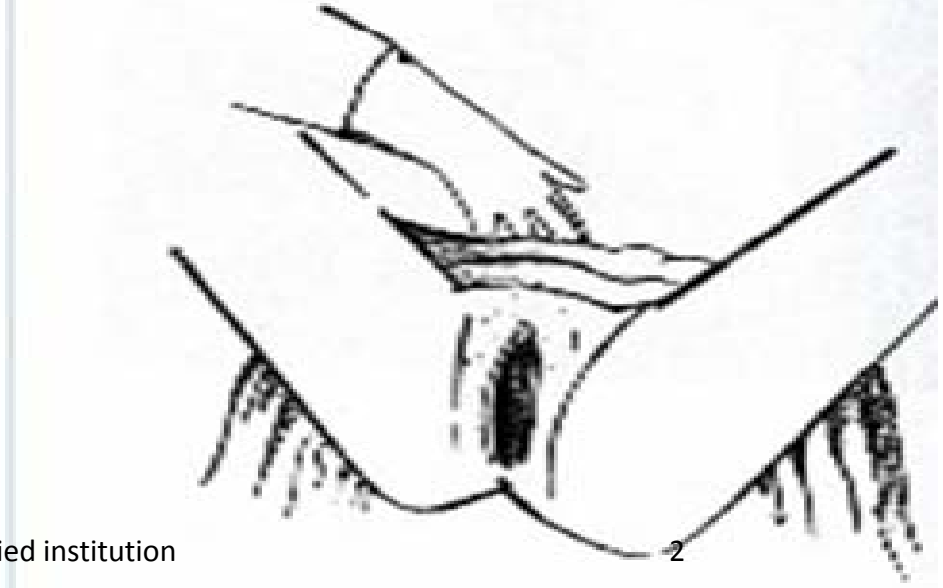

तृतीय चरण का प्रबंधन

सक्रिय प्रबंधन में मुख्य रूप से तीन कार्य किए जाते हैं।

1. बच्चे के जन्म के बाद परंतु आँवल जन्मने से पहले ऑक्सीटोसीन देना
2. गर्भाशय की मालिश
3. नियंत्रित नाल खिंचाव से आंवल को जन्माना

तृतीय चरण के सक्रिय प्रबंधन से प्रसवोपरांत रक्तस्त्राव कम बार व कम मात्रा में होता है जिससे महिला का हीमोग्लोबिन स्तर बेहतर रहता है।

ऑक्सीटोसीन देना

1. महिला को अकेले नहीं छोड़ना है।
2. शिशु जन्म के तुरंत बाद IU IM ऑक्सीटोसीन या मीजोप्रोस्टोल 200 माइक्रोग्राम की 3 गोलियां (600 माइक्रोग्राम जीभ के नीचे) देना। दवा देने से पहले गर्भ में दूसरा बच्चा तो नहीं है, इसकी जांच करनी है।

आंवल अलग होने के लक्षण

- गर्भाशय का ऊपरी भाग सख्त व गोल होना।
- योनि से अचानक रक्तस्त्राव।
- नाल की लंबाई बढ़ जाना।

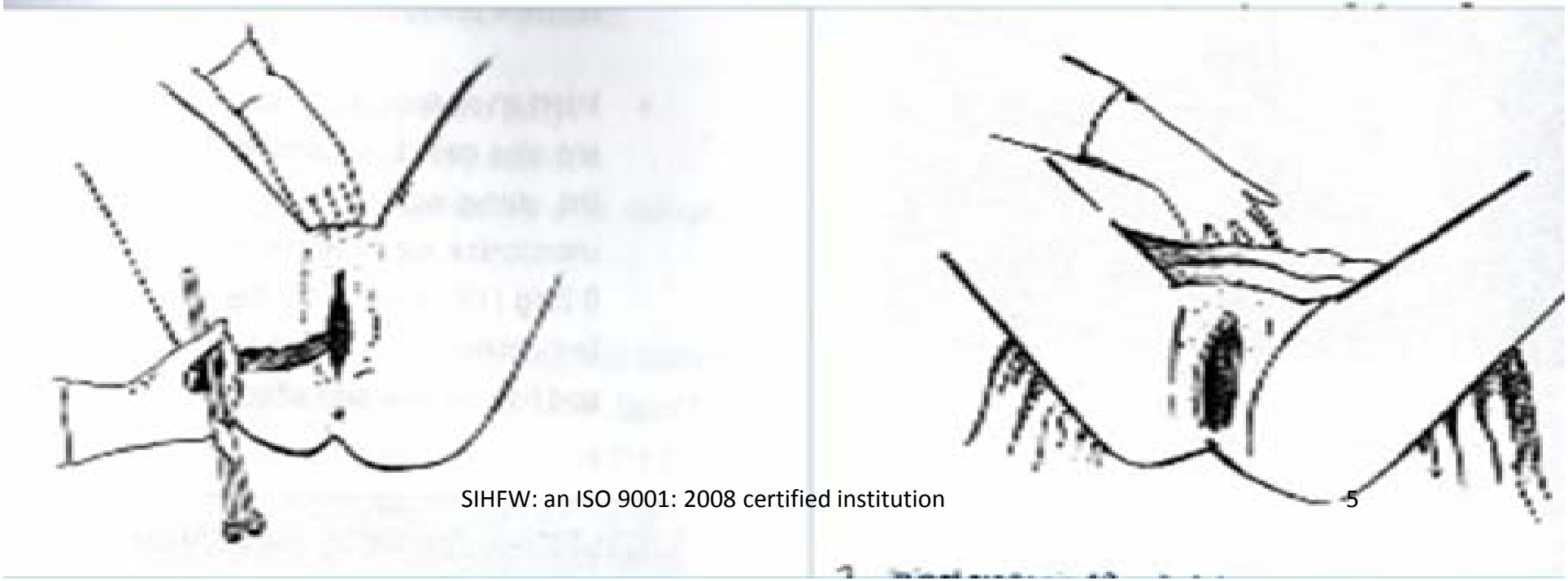

गर्भाशय की मालिश

1. बांए हाथ की हथेली से गर्भाशय के ऊपरी भाग की हल्के हाथ से मालिश करना।

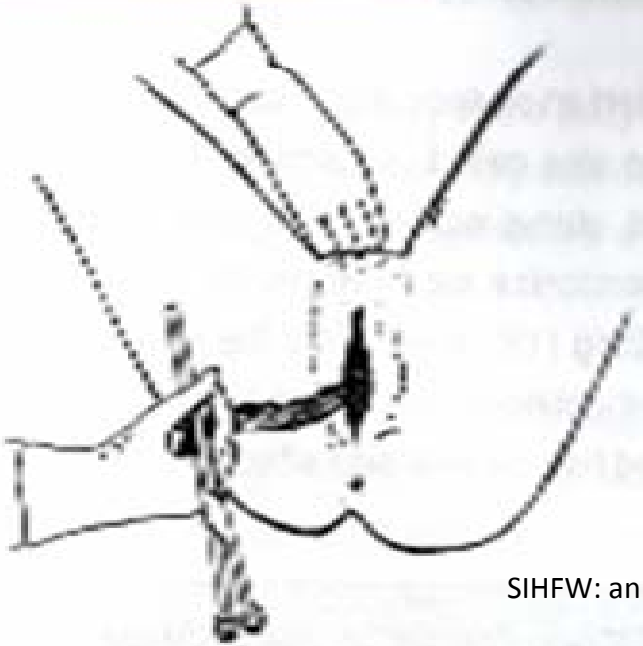

नियंत्रित नाल खिंचाव (Control Cord Traction)

1. आंवल के अलग होने के लक्षण दिखाई देने के बाद बांए हाथ की हथेली को गर्भाशय (सिम्फायसिस प्यूबिस) के ऊपर रखें और दांए हाथ से नाल को उस पर लगे क्लेम्प के साथ पकड़ लें। अब बांए हाथ से गर्भाशय को ऊपर की ओर खिसकाते हुए दांए हाथ से नाल को हल्के से खिंचते हुए घुमाएं।

नियंत्रित नाल खिंचाव (Control Cord Traction)

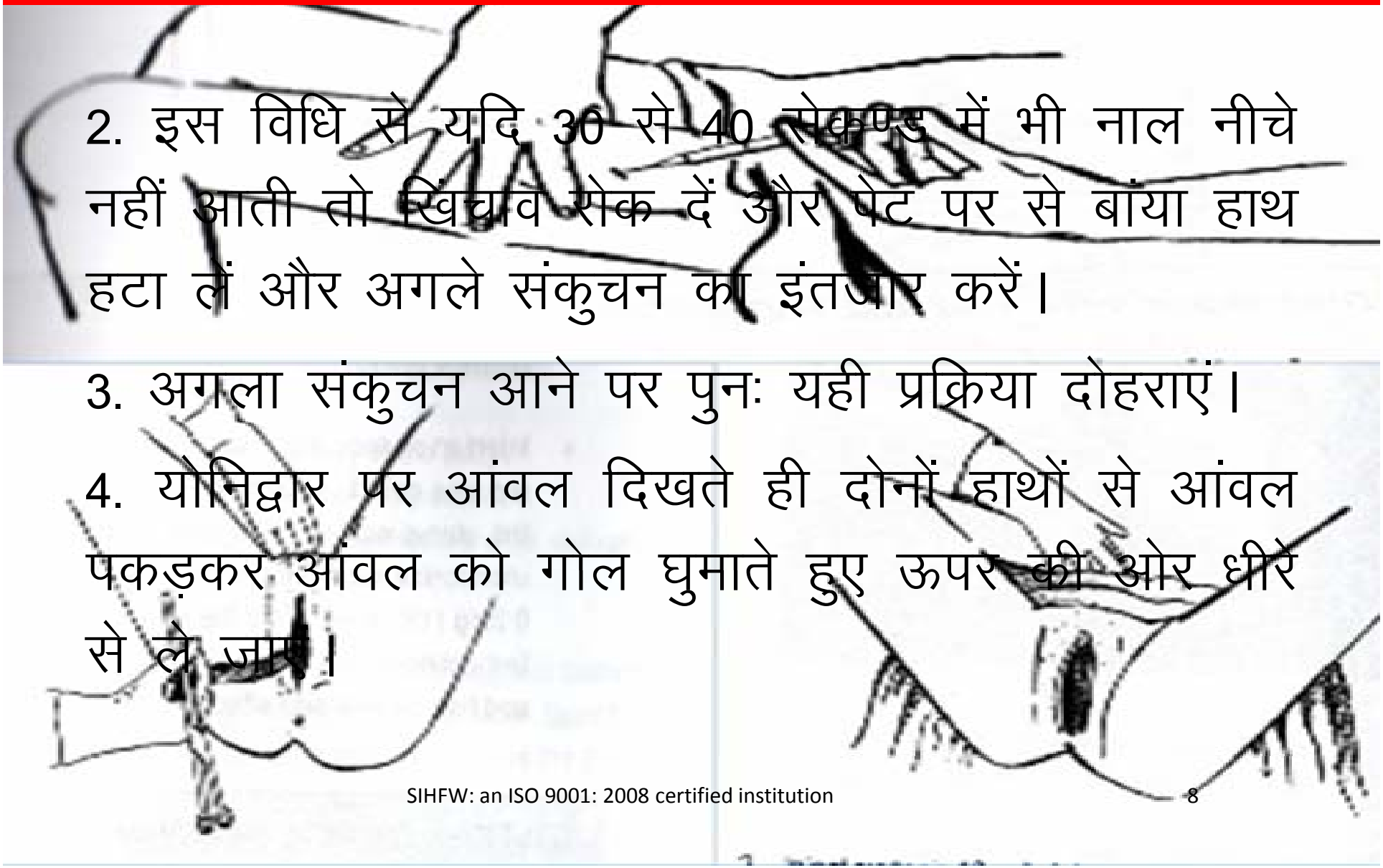

2. इस विधि से यदि 30 से 40 सेकण्ड में भी नाल नीचे नहीं आती तो खिंचाव रोक दें और पेट पर से बांया हाथ हटा लें और अगले संकुचन का इंतजार करें।

3. अगला संकुचन आने पर पुनः यही प्रक्रिया दोहराएं।

4. योनिद्वार पर आंवल दिखते ही दोनों हाथों से आंवल पकड़कर आंवल को गोल घुमाते हुए ऊपर की ओर धीरे से ले जाएं।

नियंत्रित नाल खिंचाव (Control Cord Traction)

5. हाथों को कटोरे जैसा बनाकर उसमें आंवल को लेकर आंवल व झिल्ली के पूरेपन की जांच करें।

- आंवल को हथेली में लेकर उसके मेटरनल साइड की जांच करें और देखें कि उसके सभी कोटीलोब पूरे हैं या कहीं से कोई भाग छूट गया या कटा हुआ तो नहीं है।
- आंवल को कॉर्ड की तरफ से पकड़कर लटका कर देखें कि अगर झिल्ली व आंवल पूर्ण होगा तो वह अधखुले छाते की तरह दिखाई देगा।
- आंवल व झिल्ली को किडनी ट्रे में रखें।

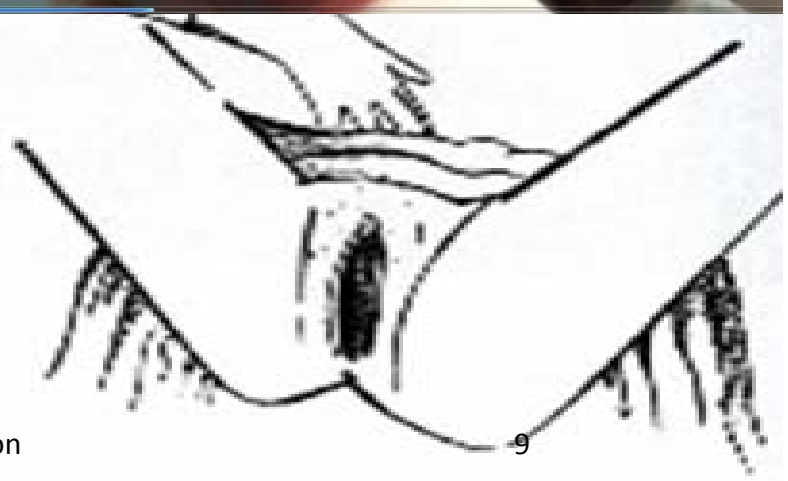

नियंत्रित नाल खिंचाव (Control Cord Traction)

6. अगर कोई कोर्टीलोब पूरा नहीं है तो इसका मतलब उसका कुछ भाग अंदर छूट गया है इसके लिए फिर से गर्भाशय की जांच करें।

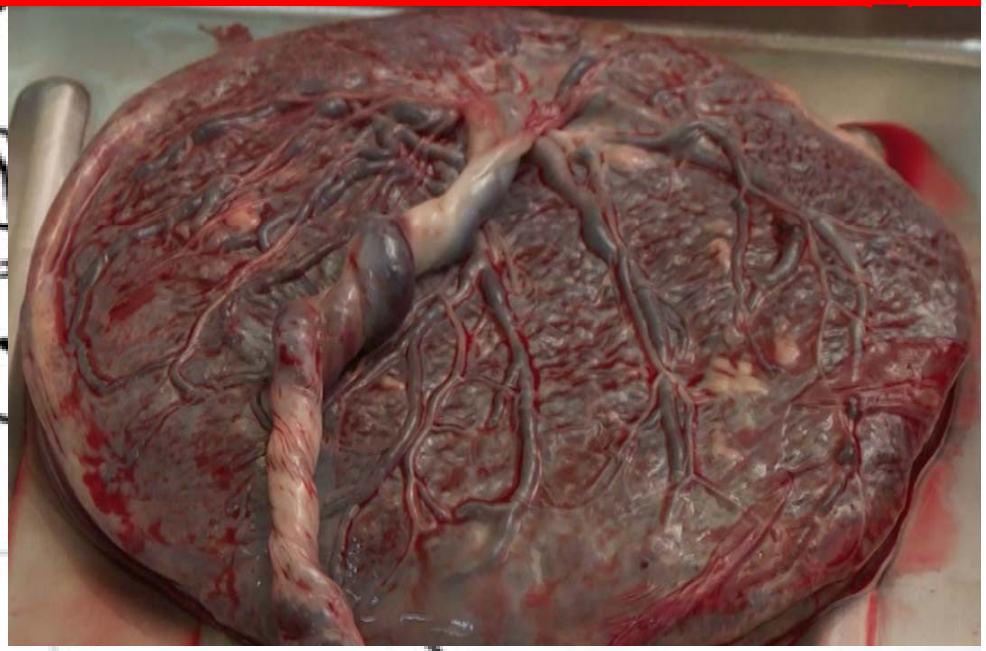

7. अगर गर्भाशय कड़क नहीं हुआ या अच्छी तरह से संकुचित नहीं हुआ तो हल्के हाथ से कुछ देर तक गर्भाशय की मालिश करें।

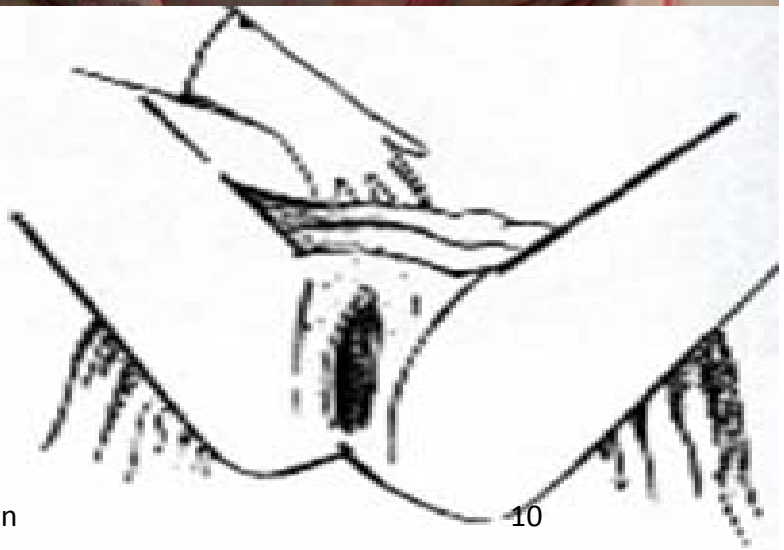

नियंत्रित नाल खिंचाव (Control Cord Traction)

8. आंवल व झिल्ली के निकलने के बाद महिला की सामान्य स्थिति की जांच करें जैसे– नाड़ी, रक्तचाप, चहरे की लालिमा, आदि।

9. महिला के जननांगों को साफ करके, साफ व सूखे पैड से ढकें। आवश्यक हो तो उसके कपड़े भी बदल दें।

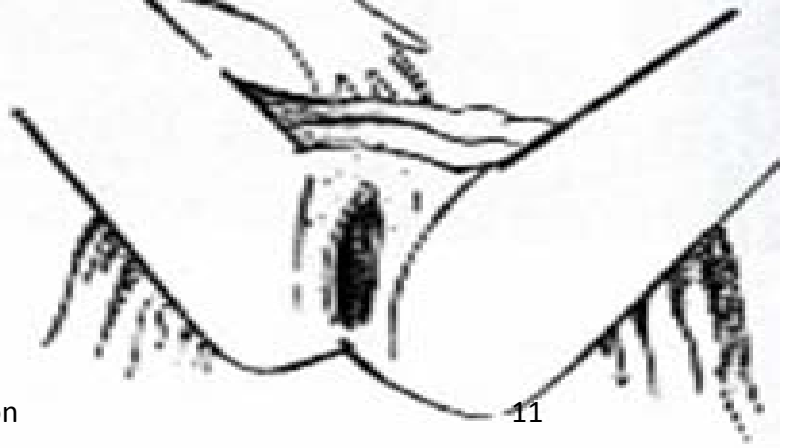

नियंत्रित नाल खिंचाव (Control Cord Traction)

10. आंवल व झिल्ली को 10 प्रतिशत ब्लीचिंग पाउडर के घोल में डालकर पीले बैग में निस्तारण करें।

11. आंवल निकलने के बाद महिला को प्रसव कक्ष में ही रखकर 1 घंटे तक अवलोकन करें।

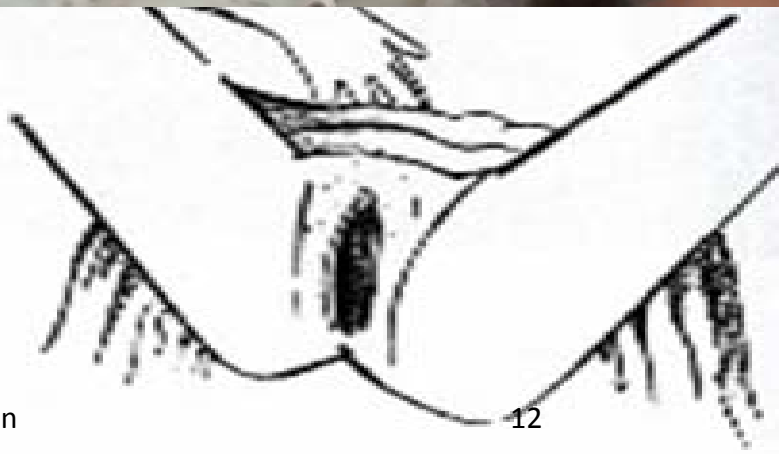

सारांश

- आंवल के मेटरनल साइड की जांच करें।
- आंवल निकलने के बाद महिला को प्रसव कक्ष में ही रखकर 1 घंटे तक अवलोकन करें।

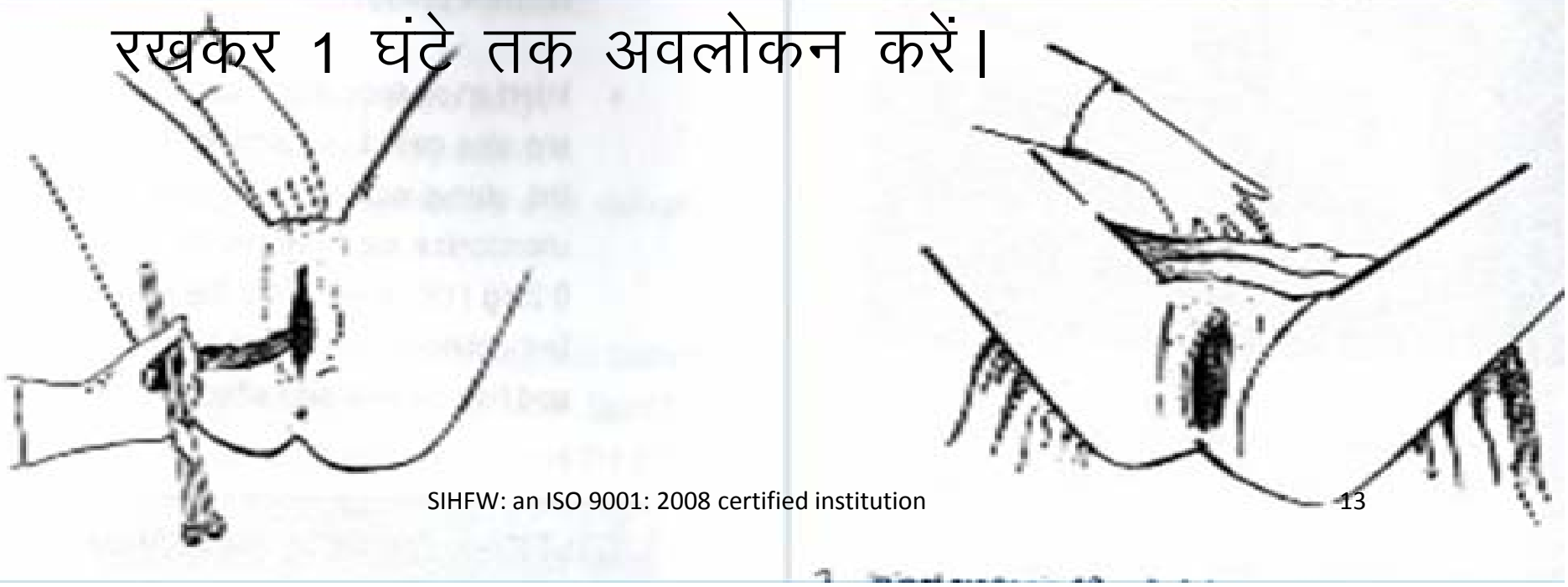

धन्यवाद